

四聲附韻
冠註補闕
類書字義

增續大廣益會玉篇大全

卯
三畫下

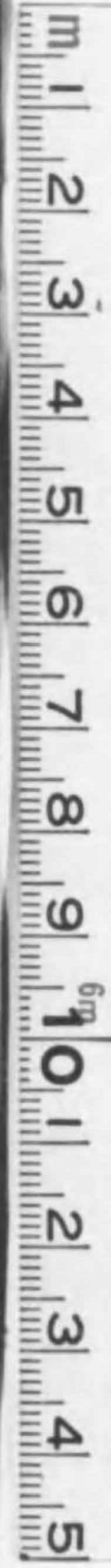
特279-300



279

300

工	𠂇	山	巾	尸	九	小	寸	宀	子
二十四頁	二十三頁	十四頁	十三頁	十一頁	九頁	九頁	八頁	三頁	初頁
丑	弓	弋	升	及	广	幺	干	巾	巳
四十一頁	三十八頁	三十八頁	三十七頁	三十七頁	三十二頁	三十一頁	三十一頁	二十五頁	二十四頁
								彳	彡
									四十三頁



始



三畫下

工	《	山	巾	尸	尢	小	寸	宀	子
二十四葉	二十三葉	十四葉	十三葉	十一葉	九葉	九葉	八葉	三葉	初葉
王	弓	弋	井	及	广	幺	干	巾	巳
四十一葉	三十八葉	三十八葉	三十七葉	三十七葉	三十二葉	三十一葉	三十一葉	二十五葉	二十四葉
								彳	彡
								四十三葉	四十二葉



傷之予孫公子公子
之子為公又周禮
注竹枝根之未生
者又鳥之西戎國名
又織母日天小又位
暮亦名天山又晉語
注申小矢名又姓
又公一長一玉一俱
獲姓又團シタカ之蘇
因切集遠同八「孰
又徐也相如賦處極
夏一又何也古能一
「辱 世ルニヨス 本
王莽縣名又溷土限
尾「帶 〇正音 〇
為言放也又「夜岸
也油既言初習謂之
「前 〇又姓 〇
四「濡 〇又姓 〇

「之言葉也存罪之
者卑也又詳崇增前
「辨 〇案說文作
說文豈也又團唐何
也司馬相如傳「一
「字 〇又姓 〇

𠄎	𠄏	𠄐	𠄑	𠄒	𠄓	𠄔	𠄕	𠄖	𠄗	𠄘	𠄙	𠄚	𠄛	𠄜	𠄝	𠄞	𠄟	𠄠	𠄡	𠄢	𠄣	𠄤	𠄥	𠄦	𠄧	𠄨	𠄩	𠄪	𠄫	𠄬	𠄭	𠄮	𠄯	𠄰	𠄱	𠄲	𠄳	𠄴	𠄵	𠄶	𠄷	𠄸	𠄹	𠄺	𠄻	𠄼	𠄽	𠄾	𠄿	𠅀	𠅁	𠅂	𠅃	𠅄	𠅅	𠅆	𠅇	𠅈	𠅉	𠅊	𠅋	𠅌	𠅍	𠅎	𠅏	𠅐	𠅑	𠅒	𠅓	𠅔	𠅕	𠅖	𠅗	𠅘	𠅙	𠅚	𠅛	𠅜	𠅝	𠅞	𠅟	𠅠	𠅡	𠅢	𠅣	𠅤	𠅥	𠅦	𠅧	𠅨	𠅩	𠅪	𠅫	𠅬	𠅭	𠅮	𠅯	𠅰	𠅱	𠅲	𠅳	𠅴	𠅵	𠅶	𠅷	𠅸	𠅹	𠅺	𠅻	𠅼	𠅽	𠅾	𠅿	𠆀	𠆁	𠆂	𠆃	𠆄	𠆅	𠆆	𠆇	𠆈	𠆉	𠆊	𠆋	𠆌	𠆍	𠆎	𠆏	𠆐	𠆑	𠆒	𠆓	𠆔	𠆕	𠆖	𠆗	𠆘	𠆙	𠆚	𠆛	𠆜	𠆝	𠆞	𠆟	𠆠	𠆡	𠆢	𠆣	𠆤	𠆥	𠆦	𠆧	𠆨	𠆩	𠆪	𠆫	𠆬	𠆭	𠆮	𠆯	𠆰	𠆱	𠆲	𠆳	𠆴	𠆵	𠆶	𠆷	𠆸	𠆹	𠆺	𠆻	𠆼	𠆽	𠆾	𠆿	𠇀	𠇁	𠇂	𠇃	𠇄	𠇅	𠇆	𠇇	𠇈	𠇉	𠇊	𠇋	𠇌	𠇍	𠇎	𠇏	𠇐	𠇑	𠇒	𠇓	𠇔	𠇕	𠇖	𠇗	𠇘	𠇙	𠇚	𠇛	𠇜	𠇝	𠇞	𠇟	𠇠	𠇡	𠇢	𠇣	𠇤	𠇥	𠇦	𠇧	𠇨	𠇩	𠇪	𠇫	𠇬	𠇭	𠇮	𠇯	𠇰	𠇱	𠇲	𠇳	𠇴	𠇵	𠇶	𠇷	𠇸	𠇹	𠇺	𠇻	𠇼	𠇽	𠇾	𠇿	𠈀	𠈁	𠈂	𠈃	𠈄	𠈅	𠈆	𠈇	𠈈	𠈉	𠈊	𠈋	𠈌	𠈍	𠈎	𠈏	𠈐	𠈑	𠈒	𠈓	𠈔	𠈕	𠈖	𠈗	𠈘	𠈙	𠈚	𠈛	𠈜	𠈝	𠈞	𠈟	𠈠	𠈡	𠈢	𠈣	𠈤	𠈥	𠈦	𠈧	𠈨	𠈩	𠈪	𠈫	𠈬	𠈭	𠈮	𠈯	𠈰	𠈱	𠈲	𠈳	𠈴	𠈵	𠈶	𠈷	𠈸	𠈹	𠈺	𠈻	𠈼	𠈽	𠈾	𠈿	𠉀	𠉁	𠉂	𠉃	𠉄	𠉅	𠉆	𠉇	𠉈	𠉉	𠉊	𠉋	𠉌	𠉍	𠉎	𠉏	𠉐	𠉑	𠉒	𠉓	𠉔	𠉕	𠉖	𠉗	𠉘	𠉙	𠉚	𠉛	𠉜	𠉝	𠉞	𠉟	𠉠	𠉡	𠉢	𠉣	𠉤	𠉥	𠉦	𠉧	𠉨	𠉩	𠉪	𠉫	𠉬	𠉭	𠉮	𠉯	𠉰	𠉱	𠉲	𠉳	𠉴	𠉵	𠉶	𠉷	𠉸	𠉹	𠉺	𠉻	𠉼	𠉽	𠉾	𠉿	𠊀	𠊁	𠊂	𠊃	𠊄	𠊅	𠊆	𠊇	𠊈	𠊉	𠊊	𠊋	𠊌	𠊍	𠊎	𠊏	𠊐	𠊑	𠊒	𠊓	𠊔	𠊕	𠊖	𠊗	𠊘	𠊙	𠊚	𠊛	𠊜	𠊝	𠊞	𠊟	𠊠	𠊡	𠊢	𠊣	𠊤	𠊥	𠊦	𠊧	𠊨	𠊩	𠊪	𠊫	𠊬	𠊭	𠊮	𠊯	𠊰	𠊱	𠊲	𠊳	𠊴	𠊵	𠊶	𠊷	𠊸	𠊹	𠊺	𠊻	𠊼	𠊽	𠊾	𠊿	𠋀	𠋁	𠋂	𠋃	𠋄	𠋅	𠋆	𠋇	𠋈	𠋉	𠋊	𠋋	𠋌	𠋍	𠋎	𠋏	𠋐	𠋑	𠋒	𠋓	𠋔	𠋕	𠋖	𠋗	𠋘	𠋙	𠋚	𠋛	𠋜	𠋝	𠋞	𠋟	𠋠	𠋡	𠋢	𠋣	𠋤	𠋥	𠋦	𠋧	𠋨	𠋩	𠋪	𠋫	𠋬	𠋭	𠋮	𠋯	𠋰	𠋱	𠋲	𠋳	𠋴	𠋵	𠋶	𠋷	𠋸	𠋹	𠋺	𠋻	𠋼	𠋽	𠋾	𠋿	𠌀	𠌁	𠌂	𠌃	𠌄	𠌅	𠌆	𠌇	𠌈	𠌉	𠌊	𠌋	𠌌	𠌍	𠌎	𠌏	𠌐	𠌑	𠌒	𠌓	𠌔	𠌕	𠌖	𠌗	𠌘	𠌙	𠌚	𠌛	𠌜	𠌝	𠌞	𠌟	𠌠	𠌡	𠌢	𠌣	𠌤	𠌥	𠌦	𠌧	𠌨	𠌩	𠌪	𠌫	𠌬	𠌭	𠌮	𠌯	𠌰	𠌱	𠌲	𠌳	𠌴	𠌵	𠌶	𠌷	𠌸	𠌹	𠌺	𠌻	𠌼	𠌽	𠌾	𠌿	𠍀	𠍁	𠍂	𠍃	𠍄	𠍅	𠍆	𠍇	𠍈	𠍉	𠍊	𠍋	𠍌	𠍍	𠍎	𠍏	𠍐	𠍑	𠍒	𠍓	𠍔	𠍕	𠍖	𠍗	𠍘	𠍙	𠍚	𠍛	𠍜	𠍝	𠍞	𠍟	𠍠	𠍡	𠍢	𠍣	𠍤	𠍥	𠍦	𠍧	𠍨	𠍩	𠍪	𠍫	𠍬	𠍭	𠍮	𠍯	𠍰	𠍱	𠍲	𠍳	𠍴	𠍵	𠍶	𠍷	𠍸	𠍹	𠍺	𠍻	𠍼	𠍽	𠍾	𠍿	𠎀	𠎁	𠎂	𠎃	𠎄	𠎅	𠎆	𠎇	𠎈	𠎉	𠎊	𠎋	𠎌	𠎍	𠎎	𠎏	𠎐	𠎑	𠎒	𠎓	𠎔	𠎕	𠎖	𠎗	𠎘	𠎙	𠎚	𠎛	𠎜	𠎝	𠎞	𠎟	𠎠	𠎡	𠎢	𠎣	𠎤	𠎥	𠎦	𠎧	𠎨	𠎩	𠎪	𠎫	𠎬	𠎭	𠎮	𠎯	𠎰	𠎱	𠎲	𠎳	𠎴	𠎵	𠎶	𠎷	𠎸	𠎹	𠎺	𠎻	𠎼	𠎽	𠎾	𠎿	𠏀	𠏁	𠏂	𠏃	𠏄	𠏅	𠏆	𠏇	𠏈	𠏉	𠏊	𠏋	𠏌	𠏍	𠏎	𠏏	𠏐	𠏑	𠏒	𠏓	𠏔	𠏕	𠏖	𠏗	𠏘	𠏙	𠏚	𠏛	𠏜	𠏝	𠏞	𠏟	𠏠	𠏡	𠏢	𠏣	𠏤	𠏥	𠏦	𠏧	𠏨	𠏩	𠏪	𠏫	𠏬	𠏭	𠏮	𠏯	𠏰	𠏱	𠏲	𠏳	𠏴	𠏵	𠏶	𠏷	𠏸	𠏹	𠏺	𠏻	𠏼	𠏽	𠏾	𠏿	𠐀	𠐁	𠐂	𠐃	𠐄	𠐅	𠐆	𠐇	𠐈	𠐉	𠐊	𠐋	𠐌	𠐍	𠐎	𠐏	𠐐	𠐑	𠐒	𠐓	𠐔	𠐕	𠐖	𠐗	𠐘	𠐙	𠐚	𠐛	𠐜	𠐝	𠐞	𠐟	𠐠	𠐡	𠐢	𠐣	𠐤	𠐥	𠐦	𠐧	𠐨	𠐩	𠐪	𠐫	𠐬	𠐭	𠐮	𠐯	𠐰	𠐱	𠐲	𠐳	𠐴	𠐵	𠐶	𠐷	𠐸	𠐹	𠐺	𠐻	𠐼	𠐽	𠐾	𠐿	𠑀	𠑁	𠑂	𠑃	𠑄	𠑅	𠑆	𠑇	𠑈	𠑉	𠑊	𠑋	𠑌	𠑍	𠑎	𠑏	𠑐	𠑑	𠑒	𠑓	𠑔	𠑕	𠑖	𠑗	𠑘	𠑙	𠑚	𠑛	𠑜	𠑝	𠑞	𠑟	𠑠	𠑡	𠑢	𠑣	𠑤	𠑥	𠑦	𠑧	𠑨	𠑩	𠑪	𠑫	𠑬	𠑭	𠑮	𠑯	𠑰	𠑱	𠑲	𠑳	𠑴	𠑵	𠑶	𠑷	𠑸	𠑹	𠑺	𠑻	𠑼	𠑽	𠑾	𠑿	𠒀	𠒁	𠒂	𠒃	𠒄	𠒅	𠒆	𠒇	𠒈	𠒉	𠒊	𠒋	𠒌	𠒍	𠒎	𠒏	𠒐	𠒑	𠒒	𠒓	𠒔	𠒕	𠒖	𠒗	𠒘	𠒙	𠒚	𠒛	𠒜	𠒝	𠒞	𠒟	𠒠	𠒡	𠒢	𠒣	𠒤	𠒥	𠒦	𠒧	𠒨	𠒩	𠒪	𠒫	𠒬	𠒭	𠒮	𠒯	𠒰	𠒱	𠒲	𠒳	𠒴	𠒵	𠒶	𠒷	𠒸	𠒹	𠒺	𠒻	𠒼	𠒽	𠒾	𠒿	𠓀	𠓁	𠓂	𠓃	𠓄	𠓅	𠓆	𠓇	𠓈	𠓉	𠓊	𠓋	𠓌	𠓍	𠓎	𠓏	𠓐	𠓑	𠓒	𠓓	𠓔	𠓕	𠓖	𠓗	𠓘	𠓙	𠓚	𠓛	𠓜	𠓝	𠓞	𠓟	𠓠	𠓡	𠓢	𠓣	𠓤	𠓥	𠓦	𠓧	𠓨	𠓩	𠓪	𠓫	𠓬	𠓭	𠓮	𠓯	𠓰	𠓱	𠓲	𠓳	𠓴	𠓵	𠓶	𠓷	𠓸	𠓹	𠓺	𠓻	𠓼	𠓽	𠓾	𠓿	𠔀	𠔁	𠔂	𠔃	𠔄	𠔅	𠔆	𠔇	𠔈	𠔉	𠔊	𠔋	𠔌	𠔍	𠔎	𠔏	𠔐	𠔑	𠔒	𠔓	𠔔	𠔕	𠔖	𠔗	𠔘	𠔙	𠔚	𠔛	𠔜	𠔝	𠔞	𠔟	𠔠	𠔡	𠔢	𠔣	𠔤	𠔥	𠔦	𠔧	𠔨	𠔩	𠔪	𠔫	𠔬	𠔭	𠔮	𠔯	𠔰	𠔱	𠔲	𠔳	𠔴	𠔵	𠔶	𠔷	𠔸	𠔹	𠔺	𠔻	𠔼	𠔽	𠔾	𠔿	𠕀	𠕁	𠕂	𠕃	𠕄	𠕅	𠕆	𠕇	𠕈	𠕉	𠕊	𠕋	𠕌	𠕍	𠕎	𠕏	𠕐	𠕑	𠕒	𠕓	𠕔	𠕕	𠕖	𠕗	𠕘	𠕙	𠕚	𠕛	𠕜	𠕝	𠕞	𠕟	𠕠	𠕡	𠕢	𠕣	𠕤	𠕥	𠕦	𠕧	𠕨	𠕩	𠕪	𠕫	𠕬	𠕭	𠕮	𠕯	𠕰	𠕱	𠕲	𠕳	𠕴	𠕵	𠕶	𠕷	𠕸	𠕹	𠕺	𠕻	𠕼	𠕽	𠕾	𠕿	𠖀	𠖁	𠖂	𠖃	𠖄	𠖅	𠖆	𠖇	𠖈	𠖉	𠖊	𠖋	𠖌	𠖍	𠖎	𠖏	𠖐	𠖑	𠖒	𠖓	𠖔	𠖕	𠖖	𠖗	𠖘	𠖙	𠖚	𠖛	𠖜	𠖝	𠖞	𠖟	𠖠	𠖡	𠖢	𠖣	𠖤	𠖥	𠖦	𠖧	𠖨	𠖩	𠖪	𠖫	𠖬	𠖭	𠖮	𠖯	𠖰	𠖱	𠖲	𠖳	𠖴	𠖵	𠖶	𠖷	𠖸	𠖹	𠖺	𠖻	𠖼	𠖽	𠖾	𠖿	𠗀	𠗁	𠗂	𠗃	𠗄	𠗅	𠗆	𠗇	𠗈	𠗉	𠗊	𠗋	𠗌	𠗍	𠗎	𠗏	𠗐	𠗑	𠗒	𠗓	𠗔	𠗕	𠗖	𠗗	𠗘	𠗙	𠗚	𠗛	𠗜	𠗝	𠗞	𠗟	𠗠	𠗡	𠗢	𠗣	𠗤	𠗥	𠗦	𠗧	𠗨	𠗩	𠗪	𠗫	𠗬	𠗭	𠗮	𠗯	𠗰	𠗱	𠗲	𠗳	𠗴	𠗵	𠗶	𠗷	𠗸	𠗹	𠗺	𠗻	𠗼	𠗽	𠗾	𠗿	𠘀	𠘁	𠘂	𠘃	𠘄	𠘅	𠘆	𠘇	𠘈	𠘉	𠘊	𠘋	𠘌	𠘍	𠘎	𠘏	𠘐	𠘑	𠘒	𠘓	𠘔	𠘕	𠘖	𠘗	𠘘	𠘙	𠘚	𠘛	𠘜	𠘝	𠘞	𠘟	𠘠	𠘡	𠘢	𠘣	𠘤	𠘥	𠘦	𠘧	𠘨	𠘩	𠘪	𠘫	𠘬	𠘭	𠘮	𠘯	𠘰	𠘱	𠘲	𠘳	𠘴	𠘵	𠘶	𠘷	𠘸	𠘹	𠘺	𠘻	𠘼	𠘽	𠘾	𠘿	𠙀	𠙁	𠙂	𠙃	𠙄	𠙅	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

也常也(直)字轉
 注古音今西羌尚有
 多姓合而為一
 〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

也常也(直)字轉
 注古音今西羌尚有
 多姓合而為一
 〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

〔彰〕カハ字交也
 〔彰〕ヒカリ字又精
 光也〔彰〕キマク
 又傷痒也殘
 也零落也〔彰〕字
 アキラカ又剛布退切
 文彰朗也〔或〕
 スニヤ丸國越過切疾
 息通作都〔彰〕
 案集句勿會一書古
 諸字皆作彰字彙似
 小誤〔彰〕
 云五身篇音慶義無
 訓〔彰〕
 郎切リ泉盛兒小
 也三日亨醫清兒玉
 著也小方光文章一也

終